भा.वा.अ.शि.प.-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट में हिन्दी संगोष्ठी का आयोजन

भा.वा.अ.शि.प.-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट के ब्रह्मपुत्र सम्मेलन कक्ष में दिनांक 24 फरवरी, 2023 को संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन को बढ़ावा देने तथा राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम (वर्ष 2022-23) के अनुपालन में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए **"जैव-प्लास्टिक - पारंपरिक प्लास्टिक का एक विकल्प"**विषय पर हिन्दी संगोष्ठीका आयोजन किया गया। संगोष्ठी में हिन्दी प्रकोष्ठ के केंद्रक(नोडल) अधिकारी श्री विश्वनाथ शर्मा ने उपस्थित सभी सहभागियों का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत करते हुए कार्यक्रम का संचालन किया। उन्होंने अपने संबोधन मेंसभी नव-नियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत किया, और जैव-प्लास्टिक जैसे पर्यावरण महत्वपूर्ण विषय पर ध्यान आकृष्ट कराया।

संस्थान के निदेशक महोदय ने हिन्दी संगोष्ठी के मुख्य वक्ता श्री सोनकेश्वर शर्मा, वैज्ञानिक-बी का फूलम गामोछा द्वारा स्वागत किया। तत्पश्चात्, हिन्दी संगोष्ठी में विशेषज्ञ (वक्ता) को व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया। अपने व्याख्यान में श्री सोनकेश्वर शर्मा जी ने पर्यावरण के लिए जीवन शैली (LiFE) मिशन का जिक्र करते हुए LiFE का विचार भारत द्वारा वर्ष 2021 में ग्लासगो में 26वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (COP26) के दौरान पेश किया गया था। उन्होंने जैव-प्लास्टिक के संबंध में विस्तृत चर्चा की।

संगोष्ठी का मूल विचार पर्यावरण के प्रति जागरूक जीवनशैली में प्लास्टिक के विवेकहीन और व्यर्थ खपत के बजाय सावधानी के साथ और सुविचारित उपयोग पर केंद्रित रहा।

व्याख्यान के पश्चात् प्लास्टिक एवं जैव-प्लास्टिक से संबंधित प्रश्नों पर चर्चा की गई तथा विशेषज्ञ वक्ता ने सभी प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर दिए। संगोष्ठी में कुल 10 अधिकारीगण एवं 30 कर्मचारीवृंद उपस्थित रहें।

संगोष्ठी का सफल समापन उपस्थित संस्थान के निदेशक महोदय,विशेषज्ञ (वक्ता), प्रभागाध्यक्षों सहित नव-नियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट में हिन्दी संगोष्ठी का आयोजन | 2023

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट में हिन्दी संगोष्ठी का आयोजन | 2023